मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 128, मुंबई, शनिवार, 3 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

एक्शन में ईडी

अभिनेता डिनो मोरिया, संजय खान और डीजे अकील की....

संपत्ति जब्त

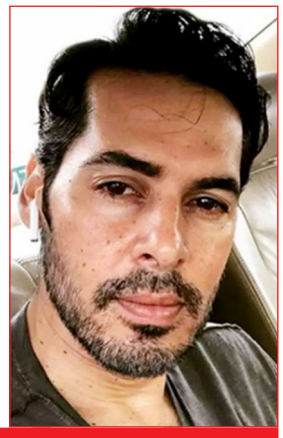

14500 करोड़ के घोटालेबाजों से संबंध के आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अभिनेता डिनो मोरिया, संजय खान और डीजे अकील की करोड़ों की प्रॉपर्टी अटैच की है। दिवंगत कांग्रेस नेता अहमद पटेल के दामाद भी हैं। अहमद पटेल की भूमिका महाविकास अघाड़ी सरकार के निर्माण के दौरान सक्रिय रूप से देखने को मिली थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सीबीआई भी कर रही है इस मामले की जांच

साल 2019 में ईडी ने 9,778 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी

प्रवर्तन निदेशालय ने 27 जून 2019 को संदेसरा समूह की 9,778 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। इनमें तेल क्षेत्र ओएमएल 143 (नाइजीरिया), चार समुद्री जहाज तुलजा भवानी, वरिंदा, भव्या, ब्रह्मनी शामिल थे। ये जहाज अटलांटिक ब्लू वाटर सर्विसेज के नाम से पनामा में पंजीकृत था। इसके अलावा अमेरिका में पंजीकृत हवाई जहाज और लंदन स्थित फ्लैट को भी जब्त किया गया था। साल 2017 में केस दर्ज करने के आबाद से नितिन और चेतन संदेसरा देश से गायब हैं।

दिवंगत अहमद पटेल के दामाद के साथ संदेशरा बंधुओं के संबंध

फेक वैक्सीनेशन कैंप केस

2 हजार से ज्यादा लोगों को नकली वैक्सीन लगाने वाले गिरोह का...

मुख्य सरगना बारामती से गिरफ्तार

...हो सकते हैं कई बड़े खुलासे

हॉस्पिटल की आधिकारिक आईडी का करता था इस्तेमाल

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में 2 हजार से ज्यादा लोगों को फेक वैक्सीन लगाने वाले गिरोह के सरगना को पुलिस ने आखिरकार शुक्रवार को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी की पहचान बारामती के रहने वाले राकेश पांडे के रूप में हुई है। राजेश पांडेय सोसाइटीज नमें जाकर पहले उनका विश्वास जीतता था और फिर पैसे लेकर फेक वैक्सीनेशन सेंटर का आयोजन करता था। अब तक मुंबई और ठाणे में फेक वैक्सीनेशन कैंप की 10 से ज्यादा एफआईआर दर्ज हो चुकी है। अबतक इस केस में 12 लोगों को अरेस्ट किया जा चुका है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

विवादों में यामी गौतम

खाते में बिना जानकारी विदेशी पैसों के लेनदेन का शक, ईडी ने पूछताछ के लिए 7 जुलाई को बुलाया

संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह समन उन्हें FEMA (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) के तहत कथित अनियमितताओं के संबंध में भेजा गया है। एक्ट्रेस को 7 जुलाई की सुबह 11 बजे पेश होने के लिए कहा गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कहीं गरमी, कहीं बारिश

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान भीषण गरमी और लू से तप रहे हैं, जबकि पूर्वोत्तर भारत और बिहार में थोड़ी और बारिश होने पर बाढ़ का खतरा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि 7 जुलाई तक उत्तर पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना नहीं। देश में मानसून की बारिश भी तब तक बेहद कमजोर रहेगी। मानसून की उत्तरी सीमा में 19 जून के बाद प्रगति नहीं हुई है। ऐसे में, वह अभी दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, राजस्थान व पंजाब तक नहीं पहुंच पाया है। आईएमडी ने कहा है कि मध्य अक्षांश की पश्चिमी हवाओं के कारण मानसून कमजोर पड़ गया है। पूर्वी हवाएं आगे नहीं बढ़ पा रही हैं, तो मानसून भी ठहर गया है। अनुमान के अनुसार, पूर्वी हवाओं में 7 जुलाई से पहले जोर नहीं पैदा होगा। इसका अर्थ है, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब को बारिश के लिए करीब दस दिन तक इंतजार करना पड़ सकता है। 30 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत में 10 प्रतिशत से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मध्य भारत में 17 प्रतिशत अधिक, दक्षिण प्रायद्वीप पर चार प्रतिशत अधिक, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में तीन प्रतिशत अधिक, पर दिल्ली तप रही है। और तो और, मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो दिन व उससे अधिक समय तक लू चलने की संभावना है। विडंबना देखिए, अगले छह-सात दिनों के दौरान बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा की संभावना है। जिन इलाकों में बारिश हुई है, वहां जरूरत से कुछ ज्यादा है। ज्यादातर खेतों में पानी लगा है, तो धान की बुआई के लिए किसानों को इंतजार करना पड़ रहा है। नदी, नाले लबालब हैं। खराब सड़कों पर पानी भरने से चलना मुहाल हुआ है, लेकिन दिल्ली में लोग बारिश और राहत के लिए तरस रहे हैं। कहीं ज्यादा, तो कहीं कम बारिश की वजह से खेती पर भी असर पड़ रहा है। पिछले साल भी असमय बारिश या गैर-आनुपातिक बारिश के चलते फसलों और उत्पादन पर असर पड़ा था। इसमें कोई शक की बात नहीं कि हम मौसम की अतिरेकी या प्रतिकूल स्थितियों से जूझने में बहुत सफल नहीं हैं। जब ज्यादा बारिश की स्थिति बनती है, तब भी हम आर्थिक या व्यावसायिक रूप से काफी प्रभावित होते हैं और जब कम बारिश होती है, तब भी हम जरूरत भर का पानी नहीं जुटा पाते। ऐसे में, अनेक बार नदियों को जोड़ने या नहरों का जाल बिछाने की बात होती है। सामूहिक रूप से किसानों और उनके साथ मिलकर स्थानीय प्रशासन को सोचना चाहिए कि खेतों में जमा होने वाले अतिरिक्त पानी को कैसे किसी सूखे तालाब या नदी तक पहुंचाया जाए। दूसरी ओर, गरमी और लू वाले इलाकों में भी जरूरी इंतजाम होने चाहिए। लोगों को राहत देने के लिए क्या प्रबंध किए जा सकते हैं? जल के अभाव से कैसे बचा जा सकता है? अधिक गरमी और लू की वजह से मौसमी बीमारियों में भी बढ़ोतरी होती है, अतः क्या व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को पर्याप्त जागरूक किया गया है? क्या अस्पताल के स्तर पर तैयारियां पूरी हैं? अतिरेकी मौसम वाले देश भारत में प्राथमिक स्तर पर ही शिक्षण-प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए, ताकि लोग मौसम के साथ बेहतर तालमेल बिठा सकें।

ड्रोन हमले ने बचाई खतरे की नई घंटी

गत 26-27 जून की रात जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर दो धमाके सुनाई दिए। इन धमाकों से आसपास रहने वाले जम्मू शहर के लोग सहमे तो होंगे, पर यहां के लोगों ने बहुत आतंकी हमले डोले हैं और इसलिए वे शायद ही अचंभित हुए हों। जम्मू का एयरपोर्ट वायु और थल सेना की छावनियों के बीच स्थित है। इस कारण भारतीय थल सेना के सुरक्षाकर्मी भी इसके चारों तरफ तैनात रहते हैं। इसी कारण जम्मू हवाईअड्डे में जमीनी घुसपैठ कर हमला करना बहुत मुश्किल है। शायद यही कारण था कि एयरफोर्स बेस को हवाई मार्ग से ड्रोन द्वारा निशाना बनाने की कोशिश की गई। यह हमला एयरफोर्स स्टेशन के टेक्निकल एरिया में हुआ, जिसमें एक इमारत की छत को हानि पहुंची और वायु सेना के एक वारंट अफसर एवं एक वायु सैनिक को मामूली चोट लगी। इस हमले का निशाना शायद टेक्निकल एरिया में खड़े सेना के हेलीकाप्टर थे। ड्रोन से हमला बहुत ही सस्ता और सुरक्षित तरीका है। इसमें हमला करने वालों के लिए जोखिम न के बराबर होता है।

अगर यह हमला सफल हो जाता तो हमारा अत्यधिक नुकसान होता, साथ ही देश की साख को भी धक्का लगता। यह हमला शायद छोटे ड्रोन से किया गया। इस तरह के ड्रोन आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाए जा सकते हैं और उनका रडार द्वारा पता लगाना बहुत ही मुश्किल होता है। इस हमले का अंजाम और भी भयानक हो सकता था, अगर ड्रोन उच्च क्षमता के विस्फोटकों से लैस होते। मेरा अनुमान है कि अगली बार विस्फोटक की मात्र और उसका प्रकार अलग होगा। अभी तो इस हमले में केवल दो ही ड्रोन इस्तेमाल किए गए। अगली बार शायद ज्यादा ड्रोन इस्तेमाल किए जाएं। यह देखा गया है कि कई बार ड्रोन अपने विस्फोटक के साथ ही लक्ष्य से टकरा जाते हैं। इसे हम कामीकाजे ड्रोन हमला भी कहते हैं। दूसरे महायुद्ध में जापानी पायलट्स अपने हवाईजहाज को पानी के बड़े-बड़े जहाजों में जानबूझकर क्रैश करा देते थे, ताकि वे हर हाल में नष्ट हो जाएं। जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर हमले के बाद जिस तरह शहर में लगातार ड्रोन मंडराते दिख रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि अगली बार पाकिस्तानी सीमा से लगे हवाईअड्डे जैसे श्रीनगर, उधमपुर, पठानकोट और अमृतसर निशाने पर हो सकते हैं। ड्रोन से आतंकी अपने साजो-सामान को बहुत आसानी से भेज सकते हैं। यह हमारे लिए खतरे की एक बड़ी घंटी है। इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि अतीत में ड्रोन के जरिये हथियार और नशीले पदार्थ भेजने की कोशिश की गई है। हमें तभी सतर्क हो जाना चाहिए था। दुनिया में काफी दिनों से ड्रोन हमले हो रहे हैं। ये हमले स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर्स, दोनों ही कर रहे हैं, पर भारत में किसी सैन्य ठिकाने पर ड्रोन हमला पहली बार हुआ है। अमेरिका, रूस, इजरायल, चीन और तुर्की ड्रोन के इस्तेमाल और उसकी तकनीक में बहुत माहिर हैं। अमेरिका ने अफगानिस्तान और सीरिया में न जाने कितने आतंकियों को ड्रोन हमले के जरिये मारा है। इसी तरह तुर्की ने सीरिया के साथ-साथ अजरबैजान एवं आर्मेनिया की लड़ाई में इनका सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। ड्रोन हमलों को नाकाम करने के लिए सर्विलांस, इंटेलीजेंस, इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस की अत्यधिक आवश्यकता है। हमारा इंटेलीजेंस तंत्र अभी उतना सक्षम नहीं, जितना होना चाहिए। हमें लो लेवल रडार और आधुनिक नाइट विजन यंत्रों की भी सख्त जरुरत है, खास तौर पर सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील ठिकानों पर। हमारे ऐसे ठिकानों पर अक्सर डिफेंस सद्गवस कोर के व्यक्तियों की तैनाती होती है। ये जवान बहुत ही कर्तव्यपरायण होते हैं, पर उनकी उम्र ज्यादा होती है। इसलिए सीमावर्ती क्षेत्रों के महत्वपूर्ण ठिकानों पर वायु सेना को एक बेहतर फोर्स खड़ी करनी पड़ेगी, ताकि इस तरह के हमलों की काट की जा सके। इसके अलावा हमारे पास इसकी भी क्षमता होनी चाहिए कि यदि हम ड्रोन को देख लें तो फिर उन्हें मार गिराएं। ड्रोन हमलों को नाकाम करने के लिए हम जैमर्स सरीखे इलेक्ट्रानिक सिस्टम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दक्षिण कोरिया में एक आधुनिक जैमिंग सिस्टम का टेस्ट किया जा रहा है, जो छोटे ड्रोन हमले को नाकाम कर सकता है। इसी तरह ब्रिटेन के ब्राइटस्टार सर्विलांस सिस्टम ने पिछले साल सितंबर में एक नया रडार ए 800 3डी नाम से लांच किया है। यह छोटे ड्रोन को डिटेक्ट कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसे बॉर्डर मैनेजमेंट और मिलिट्री सिस्टम में आसानी से सम्मिलित कर सकते हैं। अमेरिका भी एक हाई एनर्जी लेजर सिस्टम पर काम कर रहा है, जिससे छोटे ड्रोन को नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह जब ड्रोन एकदम नजदीक आ जाए, तब एक अन्य ड्रोन द्वारा ही उसे नष्ट करने के लिए इजरायल और अमेरिका ने मिलकर एक तकनीक विकसित की है। स्काईलार्ड नामक इस तकनीक में ड्रोन में एक जाल होता है, जो दुश्मन के ड्रोन को उसमें फंसाकर नाकाम कर देता है। चूंकि इस तरह की उन्नत तकनीक को खरीदने या विकसित करने में समय लगेगा इसलिए हमें मशीनगन के जरिये ड्रोन को नष्ट करने की क्षमता विकसित करनी होगी। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, पर अगर सही ट्रेनिंग दी जाए तो यह तरीका असरदार हो सकता है। जब तक ड्रोन नष्ट करने की तकनीक हासिल नहीं की जाती तब तक हमें पारंपरिक हवाई सुरक्षा के तरीकों को ही अमल में लाना होगा। ड्रोन हमलों की तुलना हम एक हवाई गुरिल्ला युद्ध से कर सकते हैं। इनकी काट भी एक गुरिल्ला युद्ध की तरह ही करनी होगी। यदि सीमा से लेकर संवेदनशील ठिकानों तक की हवाई और जमीनी सर्विलांस के साथ खुफिया तंत्र को मजबूत किया जा सके तो हमें ड्रोन हमलों से निपटने में काफी सफलता मिल सकती है।

कोविशील्ड की गलती और सरकार का प्रयास

कोविशील्ड के लिए भारत सरकार को क्या क्या करना होगा? कंपनी एक के बाद एक गलती कर रही है और भारत सरकार उसको बचा रही है। भारत के सीरम इंस्टीच्यूट में बनी कोविशील्ड ने यूरोपीय संघ से मंजूरी के लिए आवेदन नहीं किया था। उसको लग रहा था कि चूंकि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की दूसरी वैक्सीन को मंजूरी मिली हुई है इसलिए उसको भी अपने आप मंजूरी मिल जाएगी। लेकिन यूरोपीय संघ ने इससे इनकार कर दिया। उसने वैक्स जेवेरिया को मंजूरी दी थी। लेकिन नियमों के मुताबिक एक ही फॉर्मूले से बन रही वैक्सीन या दवा का भी उत्पादन अगर अलग अलग जगह हो रहा है तो सबको अलग

मंजूरी लेनी होगी। कोविशील्ड ने इस मंजूरी के लिए न आवेदन किया और न जरूरी डाटा जमा कराया। लेकिन अब कोविशील्ड को मंजूरी दिलाने के लिए भारत सरकार यूरोपीय संघ को धमका रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अगर यूरोपीय संघ भारतीय वैक्सीनों को मंजूरी नहीं देता है तो भारत भी यूरोप की मंजूरी को मान्यता नहीं देगा यानी वहां लोगों को जो वैक्सीन लगाई जा रही है उसे नहीं मानेगा। जयशंकर ने भारतीय वैक्सीन मजबूरी में कही। कोवैक्सीन अभी इस बहस में कहीं है भी नहीं क्योंकि उसे अभी तक डब्लुएचओ से ही मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन सिर्फ कोविशील्ड के लिए यूरोपीय संघ को धमकाते तो सवाल उठते। इसलिए को वैक्सीन को भी शामिल कर दिया। अभी असली मसला कोविशील्ड का है। देखना है कि यूरोपीय संघ कब तक उसे मंजूरी देता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, शनिवार
3 जुलाई, 2021

महाराष्ट्र विधानसभा का अध्यक्ष कांग्रेस से होगा, पद को लेकर गठबंधन में कोई मतभेद नहीं: पटोले

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानसभा का नया अध्यक्ष उनकी पार्टी से होगा और जोर दिया कि फरवरी से खाली पड़े पद को लेकर सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी दलों के बीच कोई मतभेद नहीं है। पटोले ने संवाददाताओं से कहा कि शिवसेना के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार चाहती है कि विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव पांच जुलाई से शुरू हो रहे राज्य विधानमंडल के दो दिवसीय मानसून सत्र के दौरान हो, लेकिन अंतिम निर्णय विधायकों के कोरोना वायरस जांच परिणामों (सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए अनिवार्य) पर निर्भर करेगा। महा विकास आघाड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस भी घटक है। पटोले ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्यपाल पद का इस्तेमाल कर इस मुद्दे पर राजनीति करने की कोशिश कर रही है। हमें इस तरह के हथकंडों की परवाह नहीं है। अंतिम निर्णय (विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव पर) सभी विधायकों के कोरोना वायरस की जांच के परिणाम प्राप्त होने के बाद किया जाएगा। राज्यपाल के पत्र के जवाब में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

द्वारा अपनाए गए रुख का हम समर्थन करते हैं। ठाकरे ने शुक्रवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने विधानमंडल के मानसून सत्र को केवल दो दिनों के लिए आयोजित करने के सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि कोरोना वायरस की मौजूदा स्थिति को देखते हुए अवधि को बढ़ाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री ने संक्षिप्त सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव कराने पर भी कोई जोर नहीं देते हुए कहा इसके लिए कोई 'समय-सीमा' नहीं है। पटोले ने कहा कि नया विधानसभा अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी से होगा। कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम अपने विधायकों से राय लेंगे और उनकी भावना आलाकमान तक पहुंचाएंगे। तीनों सहयोगी दल अपने-अपने विधायकों पर भरोसा करते हैं और विपक्ष के इस आरोप में कोई सचाई नहीं है कि सत्तारूढ़ गठबंधन के दलों ने इस डर से व्हिप जारी किया है कि सदन में उनकी संख्या कम हो जाएगी।' पटोले के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के लिए इस्तीफा देने के बाद फरवरी में विधानसभा अध्यक्ष का पद खाली हो गया था। पटोले ने कहा कि कांग्रेस का विचार है कि केंद्र द्वारा बनाए गए नए कृषि कानूनों में राज्य के प्रस्तावित संशोधनों को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए।

पीने के पानी को लेकर मनपा प्रशासन कर रहीं हैं

25 लाख लोगों की जान के साथ खिलवाड़

नगरसेवक अशरफ पाठन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। पूरे मुंबा ठाणे में पानी के वितरण के जिम्मेदार मनपा प्रशासन कि है पूरे ठाणे शहर की आबादी लगभग 25 लाख है लोगों को पानी देने का काम मनपा प्रशासन करता है। लेकिन बड़े ही अफसोस की बात है कि जहां से पीने का पानी सप्लाई किया जाता है। वहां का दौरा करने पहुंच नगरसेवक व विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान से हुई बातचीत के दौरान उन्होने मनपा प्रशासन पर कड़ी प्रतिकिया करते हुअे बताया कि पानी जीवन की मूलभूत जरूरत है। जिसकी जरूरत हर एक प्राणी को है उन्होने मनपा पर निशाना साधते हुवे कहा कि मनपा प्रशासन कोरोना से लड़ने की बात करतीं है उन्हें इस बात कि जानकारी नहीं है कि गंदा पानी के कारण कितनी बीमारी उत्पन्न होती है और यह गंदा पानी पूरे ठाणे के लोगों को पिलाया जा रहा है। उन्होने बताया कि यह पानी के 22 फिल्टर है जिसमें से 11 फिल्टर सालों से बंद पड़ा है और यहां 150 कर्मचारिया है और जगह पर एक भी नजर नहीं आ रहा है। मेरे आने के बाद दो चार नजर आ रहा है उन्होने ठेकेदार और मनपा प्रशासन के अधिकारी पर यह आरोप लगाया है कि मनपा प्रशासन शहर के 25 लाख लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं उन्होने कहा कि मैं महासभा में इस पानी के विषय को लेकर आवाज ऊठाऊंगा।

छेड़छाड़ करने वाले युवकों की हुई पहचान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 29 जून को हाफिज मुश्ताक की पत्नी के साथ छेड़छाड़ करने वाले युवकों की खबर प्रकाशित की गईं थीं। छेड़छाड़ करने वाले युवकों के खिलाफ पुलिस ने धारा 354 के तहत मामला दर्ज किया था लेकिन आरोपी की पहचान नहीं हो पाई थी और आरोपी पुलिस कि गिरफ्त से दूर थे जब अखबारो में खबर प्रकाशित होने के बाद

पुलिस ने मामला को गंभीरता से लेते हुए फरार आरोपी कि पहचान शूरू कर दी, शहर में बिगड़े हालात को देखते हुवे नगरसेवक व विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान खुद पुलिस स्टेशन पहुंच कर जो तीन लोग इस छेड़छाड़ मामला में जिम्मेदार बताएँ जा रहा है हाफिज मुश्ताक के भाई द्वारा उन लोगों पर भी आपना supplementary statement देते हुवे तीन लोगों के नाम भी एफआईआर में दर्ज करा दिया और कहा जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा और कोई भी हो चाहे उसकी कितनी भी पहुंच हो अगर वह मेरी माँ बहनों के साथ छेड़छाड़ करेगा तो बख्शा नहीं जाएगा और जैसे ही आरोपी पकड़े जाएंगे उन लोगों को वही बीच बाजार में सबक सिखाया जाएगा, ताकी कोई दोबारा ऐसी हरकत न करे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

एक्शन में ईडी

पिछले साल उनका निधन हो गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई स्टर्लिंग बायोटेक बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। ईडी को इन तीनों का कनेक्शन 14 हजार 500 करोड़ रुपए के बैंक लोन घोटाले के आरोपी और गुजरात के बिजनेसमैन संदेसरा बंधुओ के साथ मिला था। जांच में यह भी सामने आया था कि अहमद पटेल के संदेसरा बंधुओ के साथ अच्छी जान-पहचान थी। आरोप था कि अहमद पटेल के दामाद इरफान सिद्दीकी को संदेसरा बंधु रिश्वत में मोटी रकम देते हैं। इरफान के बाद अब डिनो पर यह कार्रवाई हुई है। ईडी सूत्रों की माने तो चेतन और नितिन संदेसरा कई बार पटेल के दामाद इरफान के घर रुपए से भरा बैग लेकर जाते थे। चार-पांच मौकों पर वह खुद भी उनके साथ थे. एक बार में 15-25 लाख रुपए दिए जाते थे। चेतन संदेसरा अक्सर अहमद पटेल के सरकारी आवास (23, मदर क्रेसंट, नई दिल्ली) जाया करते थे और संदेसरा बंधु इसे कोड वर्ड में 'हेडक्वॉर्टर 23' बोलते थे। इरफान सिद्दीकी को संदेसरा बंधु जे-2 और फैजल पटेल को जे-1 बुलाते थे। 14,500 करोड़ रुपए के इस बैंक घोटाले में अक्तूबर 2017 में सीबीआई की ओर से मामला दर्ज करने के बाद ईडी ने भी जांच शुरू की थी। जांच में खुलासा हुआ कि संदेसरा ने देश में ही नहीं विदेशों में भारतीय बैंकों को चूना लगाया है। संदेसरा की विदेश स्थित कंपनियों ने भारतीय बैंकों के विदेशी शाखाओं से करीब 9000 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। संदेसरा की कपंनी को पांच बैंकों आंध्रा बैंक, यूको बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इलाहाबाद बैंक और बैंक ऑफ इंडिया की संयुक्त कंसोर्टियम ने कर्ज देने को मंजूरी दी थी।

विवादों में यामी गौतम

बताया जा रहा है कि यामी के बैंक अकाउंट से करीब 1.5 करोड़ रुपए के बराबर की विदेशी मुद्रा का लेनदेन हुआ है, जिसके बारे में उन्होंने अधिकारियों को सूचित नहीं किया था। इसमें से कुछ ट्रांसजेक्शन पर संदेह जताते हुए ईडी ने यह समन जारी किया है। जानकारी के मुताबिक, एक्ट्रेस को भेजा यह ईडी का दूसरा समन है। यामी ने कुछ दिनों पहले ही फिल्म निर्देशक आदित्य धर से शादी की है। तीन दिन पहले ही वे हनीमून से लौटने के बाद फिर से फिल्म 'ए थर्सडे' की शूटिंग में शामिल हुईं। यामी फिल्म में नैना जायसवाल नाम की एक स्कूल टीचर की भूमिका निभाती नजर आएंगी। यामी गौतम 'फेयर एंड लवली' के एड से फेमस हुई थीं। उन्होंने उरी, काबिल, सनम रे, गिन्नी वेड्स सनी, विक्की डोनर, बाला, बदलापुर, टोटल सियापा जैसी फिल्मों में काम किया है।

फेक वैक्सीनेशन कैंप केस

मामले की जांच करने वाली मुंबई पुलिस का कहना है कि इस गोरखधंधे में कुछ हॉस्पिटल्स के शामिल होने के भी सबूत मिले हैं। पांडे मुंबई के अंधेरी में स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल का पूर्व कर्मचारी था। पांडेय सेल्स डिपार्टमेंट में काम करता था। इस कारण इस तरह के काम का उसे पुराना अनुभव है। जांच में सामने आया है कि किसी को शक न हो, इसलिए वह फेक वैक्सीनेशन कैंप के लिए अस्पताल की आधिकारिक ईमेल आईडी का इस्तेमाल करता था। हीरानंदानी का मामला सामने आने के बाद से पांडेय फरार हो गया था। हॉस्पिटल ने भी उसके बारे में जानकारी मिलते ही उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया था। पुलिस को जांच के दौरान राकेश पांडे के बारे में पता चला था। कई सोसाइटीज में हुए वैक्सीनेशन कैंप के दौरान उसके तस्वीरें भी सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी। पुलिस ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। कुछ देर में उसे मुंबई लाया जाएगा और बाद में पुलिस हिरासत में अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजेश पांडेय का बयान काफी अहम है और वह फर्जी टीकाकरण के बारे में बहुत कुछ बता सकता है। इस मामले में विशेष एसआईटी अब उन खाली शीशियों की तलाश कर रही है जिनका इस्तेमाल नकली टीकाकरण अभियान चलाने के लिए किया गया था। 30 मई को मुंबई की हीरानंदानी हाउसिंग सोसाइटी परिसर में 390 लोगों को कोवीशील्ड का टीका लगाया गया। हर डोज के लिए 1,260 रुपए लिए गए। सोसाइटी की ओर से कुल 4 लाख 91 हजार 400 रुपए का भुगतान किया गया। राजेश पांडे ने खुद को कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल का प्रतिनिधि बताते हुए सोसाइटी कमेटी के सदस्यों से संपर्क किया था। इस अभियान का संचालन संजय गुप्ता ने किया, जबकि महेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति ने सोसाइटी के सदस्यों से पैसा लिया था। टीका लगने के बाद सोसाइटी के लोगों के मोबाइल पर किसी भी तरह का मैसेज नहीं आया।

नौ देशों की कोविशील्ड को मान्यता

भारत की नाराजगी के बाद बदले सुर, एस्टोनिया ने कोवैक्सीन को भी स्वीकारा

नई दिल्ली (संवाददाता)। यूरोपीय संघ (ईयू) के नौ देशों ने भारत में निर्मित कोविशील्ड वैक्सीन को मान्यता दे दी है तथा एस्टोनिया ने कोवैक्सीन सहित सभी भारतीय टीकों को मान्यता देने का ऐलान किया है। इन यूरोपीय देशों ने यह कदम भारत द्वारा इस आशय के आग्रह के बाद उठाया है। भारत ने बुधवार को यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से कोविड के भारतीय टीकों एवं कोविन प्रमाणपत्र को मान्यता देने का आग्रह करते हुए कहा था कि ऐसा होने पर ही भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) के डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र को कोविड प्रोटोकॉल से छूट दी जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि अभी तक ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्लोवेनिया, आइसलैंड, यूनान, आयरलैंड और स्पेन ने ईयू डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र में कोविशील्ड को शामिल कर लिया है। स्विट्जरलैंड ने भी शेनजेन समूह का देश होने के नाते कोविशील्ड को मान्यता दे दी है। इस बीच, एस्टोनिया ने पुष्टि की है कि वह भारत सरकार द्वारा अधिकृत सभी टीको को मान्यता देगा और टीका लगाकर आने वाले भारतीय नागरिकों को यात्रा की अनुमति प्रदान करेगा। बुधवार की देर शाम भारत ने एक जुलाई से प्रभावी ईयू डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र फ्रेमवर्क में भारतीय टीकों को शामिल नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी। यूरोपीय संघ ने इस फ्रेमवर्क के तहत यूरोपीय मेडिकल एजेंसी (ईएमए) द्वारा अधिकृत टीके लगवाने वाले लोगों को यूरोपीय संघ के दायरे में यात्रा प्रतिबंधों से छूट देने और मुक्त आवाजाही सुलभ करने का ऐलान किया था।

WHO से मंजूर टीका लगवाने वालों को मिले यात्रा की अनुमति

जिनेवा (एपी)। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जो भी देश कोविड रोधी टीका लगवा चुके लोगों के लिए अपनी सीमाएं खोलें, उन्हें विश्व के शीर्ष स्वास्थ्य निकाय से आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी प्राप्त कोई भी टीका लगवाने वाले किसी भी व्यक्ति को अपने यहां यात्रा की अनुमति देनी चाहिए। इस कदम से पश्चिमी देशों के सामने उन दो चीनी टीकों के वास्ते मंजूरी का दायरा बढ़ाने संबंधी चुनौती पैदा हो गई है। डब्ल्यूएचओ फाइजर-बायोटेक, मॉडर्ना इंक, एस्ट्रेजेनेका और जॉनसन एंड जॉनसन के टीकों के अलावा दो चीनी टीकों को भी हरी झंडी दे चुका है।

जायडस कैडिला ने अपने टीके के लिए DCGI से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। जायडस कैडिला ने वृहस्पतिवार को कहा कि उसने अपनी कोविड-19 वैक्सीन जायकोव-डी के आपातकालीन उपयोग के लिए भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से मंजूरी मांगी है। कंपनी ने कहा कि उसने भारत में अब तक 50 से अधिक केंद्रों में अपने कोविड-19 वैक्सीन के लिए क्लीनिकल परीक्षण किया है। जायडस कैडिला ने एक बयान में कहा, कंपनी ने जायकोव-डी के लिए डीसीजीआई के कार्यालय में ईयूए के लिए आवेदन किया है।

कुल मृतकों की संख्या चार लाख के पार

नई दिल्ली (संवाददाता)। कोविड19इंडिया.ओआरजी से वृहस्पतिवार रात 12 बजे लिए गए आंकड़ों के मुताबिक कोरोना से 782 और मरीजों की मौत के साथ ही देश में कुल मौतों की संख्या 4 लाख के आंकड़े को पार कर गई। वहीं 43,169 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,04,53,937 हो गई। हालांकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार कमी जारी है।

लखनऊ : बेटे की खोज में देर रात मुन्नवर राना के घर पहुंची यूपी पुलिस

महिलाओं व लड़कियों से अभद्रता का आरोप

लखनऊ। मशहूर शायर मुन्नवर राना के लालकुआं स्थित फ्लैट पर बृहस्पतिवार देर रात रायबरेली पुलिस ने उनके बेटे तबरेज राना की तलाश में छापा मारा। कार्रवाई को लेकर मुन्नवर राना व उनकी बेटियों ने पुलिस पर अभद्रता के आरोप लगाए। तीन दिन पहले रायबरेली में तबरेज पर जानलेवा हमला हुआ था। उधर, पुलिस ने रायबरेली में चार लोगों को गिरफ्तार कर खुलासा किया कि उसने चार चाचा व चचेरे भाइयों को केस में फंसाने के लिए खुद अपनी कार पर फायरिंग कराई थी। साजिश रचने को लेकर उसकी तलाश में ही छापा मारा गया था। मुन्नवर राना का आरोप है कि रात करीब दो बजे अचानक पुलिस एफआई टावर के ढींगरा अपार्टमेंट के प्रथम तल स्थित उनके फ्लैट पहुंची और दरवाजा पीटने लगी। इससे परिवार के लोग दहशत में आ गए। दरवाजा खोला तो आठ-दस पुलिसकर्मी धड़धड़ाते हुए घुसे और हर कमरे में तबरेज को ढूंढने लगे। मुन्नवर राना की बेटी सुमैया, फौजिया, आर्शिया, रुसा और सुमैया की बेटी वरीशा व मीशा, फौजिया की बेटी मनाल व जियान, तबरेज की पत्नी नायला ने देर रात पुलिस के ऐसे फ्लैट में घुसने का विरोध किया। आरोप है कि मनाल ने वीडियो बनाना शुरू किया तो एक पुलिसकर्मी ने उसका मोबाइल छीन लिया। कुछ पुलिसकर्मी भूतल स्थित कमरे में सो रहे मुन्नवर राना के पास गए, पर उनसे कोई बात नहीं की और उन्हें बेड पर ही लेटे रहने को कहा। पूछने पर सिर्फ तबरेज की तलाश करने की बात कहकर चले गए।

पुलिस ऐसा करती है तो फिर गुंडागर्दी क्या है...: कार्रवाई को लेकर मुन्नवर राना का कहना है कि यदि पुलिस ऐसा करती है तो फिर गुंडागर्दी क्या है। न तो तबरेज के खिलाफ कोई मुकदमा है और न ही वारंट, ऐसे में यह कार्रवाई मनमानी है। हालांकि, यह भी कहा कि शासन-प्रशासन से कोई शिकायत नहीं है, भाई-भतीजों की ओर इशारा करते हुए कहा कि शिकायत उनसे है जिन्हें पाल-पोसकर बड़ा किया।

यह है पूरा मामला: 28 जून को मुनव्वर राना के बेटे तबरेज राना ने रायबरेली में सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि वह अपनी कार से त्रिपुला चौराहे के पास स्थित पेट्रोल पंप से डीजल लेकर निकल रहे थे तभी एक बाइक पर सवार दो युवकों ने कार पर फायरिंग कर दी।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवम बी एल अमलानी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का आयोजन

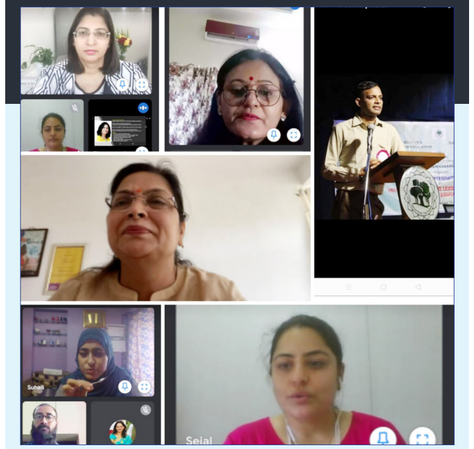

मुंबई। बीएल अमलानी कॉलेज ने स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सबसे श्रेष्ठ योद्धाओं को सम्मानित करके राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के सहयोग से किया गया। डॉ. सुनीता शुक्ला, डॉ. रूपाली पाटिल, डॉ. सेजल तांबट, और डॉ. नसरीन गीते कार्यक्रम के अतिथि वक्ता रहे। डॉ. राजेश्वरी राणा ने अतिथीयो का स्वागत किया और छात्रों को राष्ट्रीय दिन का महत्व बताया। अतीतियोने डॉक्टर बनने की उनकी यात्रा पर प्रकाश डाला और डॉक्टर की डिग्री हासिल करने में आने वाली बाधाओं के बारे में भी बताया। इन डॉक्टरों के प्रेरक शब्दों से छात्र अत्यधिक प्रेरित हुए। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ जितेंद्र अहेरकर ने कहा, अध्यापन और सीखने के अलावा हमें महाविद्यालय में कुछ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाना चाहिए। मुंबई और मध्य प्रदेश में लगभग 500 प्रतिभागीयोने वर्चुअल कार्यक्रम मे सहभाग लिया।

भारत की पाकिस्तान को दो टूक, मुंबई और पठानकोट हमले के दोषियों को जल्द न्याय के शिकंजे में लाया जाए

संवाददाता

मुंबई। भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर आतंकवाद पर घेरते हुए निशाना साधा, भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद प्रेम पर उसे जमकर कोसा और कहा कि वह आतंकवाद पर जल्द से जल्द से कड़ी कार्रवाई करें। भारत ने पाकिस्तान से एक बार फिर कहा कि वह आतंकवाद के नेटवर्क एवं उसके छद्म स्वरूप के खिलाफ 'विश्वसनीय, पुष्ट करने योग्य एवं अपरिवर्तनीय' कदम उठाये तथा 26/11 के मुंबई हमले एवं पठानकोट हमले को अंजाम देने वालों को न्याय के शिकंजे में लाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने डिजिटल माध्यम से संवाददाताओं से यह बात कही। प्रवक्ता से वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को 'ग्रे (संदिग्ध) सूची' या बृहद निगरानी की जरूरत वाले देशों की सूची में रखने के निर्णय के बारे में पूछा गया था। उनसे कुछ ही दिन पहले जम्मू कश्मीर में वायु सेना स्टेशन पर ड्रोन से आतंकी हमले के बारे में भी प्रश्न किया गया था। बागची ने कहा, जहां तक आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण की बात है तो इस बारे में हमारी 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति है। 'उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के हर स्वरूप की निंदा करते हैं और सभी देशों से अपेक्षा करते हैं कि वे सीमापार आतंकवादियों की आवाजाही, आतंकियों की पनाहगाह और उनके वित्त पोषण को खत्म करने के लिये विश्वसनीय कदम उठायेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम पाकिस्तान से उसके क्षेत्र में आतंकवाद के नेटवर्क एवं उसके छद्म स्वरूप के खिलाफ 'विश्वसनीय, पुष्ट करने योग्य एवं अपरिवर्तनीय' कदम उठाने तथा 26 नवंबर के मुंबई हमले और पठानकोट हमले को अंजाम देने वालों को न्याय के शिकंजे में लाने की मांग करते हैं। वहीं, जम्मू में वायु सेना स्टेशन पर ड्रोन हमले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच चल रही है।

'राकांपा और उसके नेताओं को बदनाम करने की साजिश चल रही है'

मुंबई। महाराष्ट्र की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के घटक दलों में से एक राकांपा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उसकी पार्टी और उसके नेताओं की छवि खराब करने की साजिश चल रही है। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने यह बयान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राज्य के उपमुख्यमंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता अजीत पवार से कथित रूप से संबंधित एक चीनी मिल को सील करने के एक दिन बाद दिया। मलिक ने कहा, 'अजीत पवार और उनके परिवार के खिलाफ जिस तरह से खबरें गढ़ी जा रही हैं वह गलत है।' उन्होंने दावा किया, 'ईडी ने चीनी मिल को सील कर दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। अजीत पवार और उनके परिवार के सदस्य किसी भी अवैध गतिविधियों में शामिल नहीं हैं।' गौरतलब है कि ईडी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) के कथित घोटाले के संबंध में धन शोधन रोधी कानून के तहत सतारा जिले के चिमनगांव-कोरेगांव स्थित 65 करोड़ रुपये से अधिक की चीनी मिल-जरंडेश्वर सहकारी साखर कारखाना को कुर्क किया गया है।

एससी-एसटी अधिनियम मामला : महाराष्ट्र सरकार ने परमबीर को छह जुलाई तक गिरफ्तारी से दी राहत

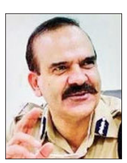

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ दर्ज मामले में उन्हें छह जुलाई तक गिरफ्तार नहीं करेगी। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील दारियस खंबाटा ने उच्च न्यायालय को बताया कि दंडात्मक कार्रवाई से सिंह के संरक्षण से जुड़े उनके को छह जुलाई तक बढ़ाया जाएगा। खंबाटा ने न्यायमूर्ति एसएस शिंदे और न्यायमूर्ति एनजे जमादार यह बयान तब दिया जब पीठ ने सिंह की याचिका पर सुनवाई पांच जुलाई तक के लिये स्थगित कर दी। सिंह ने ठाणे पुलिस द्वारा अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने और राज्य सरकार द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई प्रारंभिक जांच को चुनौती देते हुए याचिका दायर कर रखी है। अकोला शहर पुलिस नियंत्रण कक्ष में तैनात निरीक्षक बीआर घाडगे की शिकायत पर इस साल अप्रैल में सिंह के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। घाडगे पहले ठाणे में तैनात थे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

बारिश की कमी से बुलडाणा जिले में अभी भी 34% बुवाई बाकी, शेगांव, जलगांव तहेसील में कम बारिश

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले में जून माह में छह फीसदी बारिश की कमी है और अभी भी 34 फीसदी यानी 2 लाख 46 हजार 299 हेक्टेयर में बुवाई ठप है। इसलिए जिले में भारी बारिश की जरूरत है। अगर यह बारिश समय से हुई तो किसानों के लिए बुवाई संभव होगी और फसल का जीवन चक्र सही समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी।जिले में मुख्य रूप से चिखली, सिंधखेड़ राजा और मेहकर इन तालुकों

में अब तक वार्षिक औसत का लगभग ३२% प्रतिशत बारिश हुई है। अन्य तालुकों की तुलना में कम वर्षा के कारण इस क्षेत्र में बुवाई रुकी हुई है। ज़िले के शेगांव और जलगांव जमोद तालुका में स्थिति विकट दिखाई दे रही है। तालुकों में क्रमशः 4.7 प्रतिशत और 6.17 प्रतिशत बारिश हुई है। घाटों के नीचे के अधिकांश तालुकों में कम वर्षा होती है। नतीजतन, इन तालुकों को भारी बारिश की जरूरत है। जिले में 7 लाख 34 हजार 177.23 हेक्टेयर में बुवाई की योजना है जिसमें से 4 लाख 87 हजार 877 हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। इसमें से 2 लाख 72 हजार 620 हेक्टेयर में तिलहन, 89 हजार 912 हेक्टेयर में खाद्यान्न और 13 हजार 421 हेक्टेयर में अनाज बोया जा चुका है। सोयाबीन की बुआई के प्रति किसानों का रुझान अधिक है।

ज़िले में दमदार बारिश की जरूरत - ज़िले के सिंधखेड़ राजा, चिखली, मेहकर तालुकों में अच्छी बारिश हुई है। लेकिन अन्य तालुकों में वर्षा इससे कम है। इस क्षेत्र में बुवाई के लिए भी भारी बारिश की जरूरत है।

पुलिस ने 100 मोबाइल उनके मूल मालिकों को लौटाए

बुलडाणा। जिले के विभिन्न थानों में मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। मोबाइल चोरी की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने 100 मोबाइल फोन खोजने की पहल की है। मोबाइल सोमवार को उनके मूल मालिकों को लौटा दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया ने कामी साइबर पुलिस निरीक्षक ठाकुर को खोए हुए मोबाइल की तलाश करने का आदेश दिया गया था। पुलिस निरीक्षक

प्रदीप ठाकुर ने साइबर पुलिस दस्ते का गठन किया। पुलिस मुख्यालय स्थित प्रथा हॉल में 28 जून को मोबाइल संबंधित को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अरविंद चौरिया के मार्गदर्शन में अप्पर पोलिस अधीक्षक बजरंग बनसोडे, खामगावचे अप्पर पोलिस अधीक्षक हेमराजसिंह राजपूत व पोलिस निरीक्षक प्रदीप ठाकूर आदेश के अनुसार सपोनि. विलासकुमार सानप, अंमलदार ज्ञानेश नागरे, राजू आडवे, कैलास ठोंबरे, पवन मखमले, नंदकिशोर आंधळे, योगेश सरोदे, अमोल तरमळे, उषा वाघ इन के दस्ते ने किया है।साइबर पुलिस निरीक्षक प्रदीप ठाकुर ने अपील की है कि अगर नागरिकों का मोबाइल फोन खो जाता है, खो जाता है या चोरी हो जाता है तो उन्हें पुलिस थाने में रिपोर्ट करनी चाहिए।

सम्भल हलचल

मासूम के लिए रक्तदान कर युवकों ने बचाई जान

संवाददाता/अरमान उल हक

सम्भल। उत्तर प्रदेश के जनपद सम्भल के कोतवाली क्षेत्र के फतेहउल्ला सराय अल्लनपुरा के एक आठ माह के मासूम का मुरादाबाद मार्ग स्थित बच्चा अस्पताल में गुप्त स्थान का ऑपरेशन होने पर ओ पॉजिटिव ब्लड की तुरन्त आवश्यकता थी। काफी प्रयास के बाद भी ब्लड नहीं मिल सका तो मासूम के परिवारजनों ने फलाह-ए-हयात वैलफेयर सोसायटी से सम्पर्क किया तो दो नोजवान युवक रक्तदान के लिए तैयार हो गए। जहां मासूम के लिए रक्तदान करने वालों में सरायतरीन निवासी जुनैद असलम व हयातनगर निवासी रहमत ने आगे आकर रक्तदान किया। फलाहे हयात के अध्यक्ष मौहम्मद शाकिर एवं फरजन्द अली वारसी ने युवाओं द्वारा किये गए रक्तदान करने पर उत्साह वर्धन किया वहीं पत्रकार नवेद शान ने जमकर प्रशंसा की और युवाओं को दुआएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मधुबनी हलचल

तकी अखतर बने बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ मधुबनी के जिला उपाध्यायः मशकूर आलम

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने प्राथमिक मकतब चन्दन कसेरा प्रखण्ड बासोपट्टी में पद स्थापित शिक्षक तकी अखतर (पूर्व प्रमुख हरलाखी) को शिक्षण क्षेत्र में उनके अनमोल योगदान को देखते हुए उन्हें जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर श्री तकी अखतर ने कहा के में जिला अध्यक्ष मशकूर आलम का शुक्रगुजार हुं मैं अपने पद का निर्वाहन अवश्य करूँगा, मैं आशा देता हूँ संगठन के जरिये शिक्षक छात्र और स्कूलों हर जगह अपना योगदान दूंगा साथ ही साथ संगठन को मजबूत करुंगा, संगठन के संघर्षात्मक एवं कार्यक्रमों में अपना योगदान दुंगा! और ईमानदारी के साथ शिझको कि हर काम को पुरी करुगा।

मधुबनी स्टेडियम से राधो नगर रोड जाने वाली सड़क बद से बदतर अनिसुररहमान

मधुबनी। मधुबनी जिले के रहिका परखनड के अंतर्गत राघो नगर वाड वार्ड नं 22,, म स्टेडियम से राधो नगर जाने वाली सडक मनहर के निकट जर्जर होने के कारण करीब कई सालों से सडको पर पानी का जल जमाव लगा हुआ है जिस से स्कुल, कालेज ,बाजार, और नमाजियो गाँव वालों को परेसानी का सामना करना पड़ रहा है सडक किनारे नाली4कि मिटर धनस कर तालाब का सकल एखतेयार कर चुका है बडी गारी बाइक सवारी तो किसी तरह किचर उछालते हुए सफर कर लेते हैं मगर पेदल चलने वालों को इस सरक पर आने जाने मे इनतहाइ दुशवारियो का सामना करना पर रहा है सरक पूरी तरह गडहो मे तब्दील हो गई है लोगों ने सियासी नोमाइनदगान और अफसरान से अपील है कि इस सडक कि तिमिर में अपने असर ओ रसुख का इस्तेमाल करें ता कि अवाम दुशवारियो से निजात मिल सके।

राजस्थान हलचल

प्रदेश में शराब की दुकानों को खोलने का समय तय करने की मांग, मदिरा दुकानों के समय निर्धारण हेतू मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। जस्टिस फॉर छाबड़ाजी संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने शराब की दुकानों के समय निर्धारण करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र भेजा हैं। पूनम अंकुर छाबड़ा ने बताया कि आबकारी नीति के तहत प्रदेश में शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक यानी 10 घण्टे खुलने और बिक्री करने की अनुमति है। जिसका नियम हुतात्मा गुरुशरण छाबड़ा साहब के साथ पूर्व में हुए समझौतों में आपकी सरकार में ही तय हुआ था। इसके बावजूद वर्तमान में प्रदेश में शराब की बिक्री सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक होती हैं, जो 13 घंटे का समय है। शराब की दुकानों का यह समय स्व. गुरुशरण छाबड़ा साहब के साथ हुए समझौतों की भी अवहेलना है। साथ ही आबकारी नियमों की अवहेलना है, इससे प्रदेश का माहौल भी लगातार खराब हो रहा है। स्थानीय निवासियों में नाराजगी के साथ खौफ का माहौल बना हुआ है। नशा मुक्ति से जुड़े कार्यक्रताओं में भी नाराजगी है।पूनम अंकुर छाबड़ा ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि आबकारी विभाग को आदेश प्रदान करें कि वो सख्ती से प्रदेश में आबकारी नीति की पालना सुनिश्चित करवाएं। साथ ही प्रदेश में अ-समय खुलने वाली शराब दुकानों पर सख्ती बरतकर उन्हें तय समय सीमा में ही दुकानें खोलने के लिए पाबंद करे।उम्मीद हैं कि राज्य सरकार जल्द ही आबकारी नियमों के अंतर्गत शराब दुकान खोलने व बन्द करने के समय को सख्ती से लागू करेगी।

मुस्लिम महासभा राजसमन्द जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। मुस्लिम महासभा राजसमन्द की जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान के नेतृत्व में श्रीमान मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान के नाम का ज्ञापन जिला कलेक्टर राजसमन्द को दिया गया जिसमें फतहनगर की निवासी नाबालिग युवती जिसकी उम्र 14 वर्ष है,के साथ,चार-पांच दरिन्दों ने बर्बरता पूर्वक सामूहिक बलात्कार किया है,जिसको हम शब्दो मे बया नहीं कर सकते, इस घटना से आम मुस्लिम समाज आहत

हुआ है,पुलिस की ततपरता से जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया है उन दरिन्दों को जल्द से जल्द फाँसी हो और पीड़ित नाबालिग युवती के परिवार को आर्थिक मुआवजा एवम सरकारी महकमे में नोकरी दिलाई जाए। मुस्लिम महासभा द्वारा श्रीमान से अनुरोध किया कि नाबालिग पीड़िता के परिवार को आर्थिक मुआवजा एवम अभियुक्तों को फांसी की सजा दी जाए ताकि सभ्य समाज में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। ज्ञापन के दौरान जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान, एडवोकेट मकबूल हुसैन सोरगर, एडवोकेट सत्तार शाह, आरिफ हुसैन आदि मौजूद रहे।

कोवैक्सीन के निर्यात के सौदे में हुए 'भ्रष्टाचार' पर जवाब दें पीएम मोदी और स्वास्थ्य मंत्रीः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ब्राजील की ओर से 'कोवैक्सीन' के आयात को निलंबित किए जाने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार की हिस्सेदारी वाले इस टीके से संबंधित सौदे में 'अनियमितता' को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्री को जवाब देना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह सवाल भी किया कि जब टीकों के निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई थी तो फिर 'भारत बायोटेक' से जुड़े इस सौदे को जारी रखने की अनुमति कैसे दी गई? गौरतलब है कि भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके कोवैक्सीन की दो करोड़ खुराकें खरीदने पर सहमत हुई ब्राजील की सरकार ने समझौते में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद गत बुधवार को इस करार को निलंबित करने की घोषणा कर दी। इसके बाद भारत बायोटेक ने एक बयान में कहा कि उसे अभी ब्राजील से टीका के लिए अग्रिम भुगतान नहीं हुआ है।

रामपुर हलचल

राजकीय यूनानी अस्पताल की स्थापना की गई

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा। राजकीय यूनानी अस्पताल की स्थापना की गई सन 1975 में, 25 वर्षों तक रहा सेवारत, सरकारी भवन न मिलने के कारण किया गया ग्राम पीपली में स्थानान्तरण, दोबारा वापस लाने के किये जा रहे हैं प्रयास। स्वार टांडा सपा पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अ० गफूर इंजी० एवं भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रदेशीय महा सचिव अतीकुर्रहमान सल्मानी ने प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री जी को पत्र प्रेषित करते हुए कहा गया है कि राजकीय यूनानी चिकित्सालय की मांग पूर्व मुख्यमंत्री बहगुणा जी, फाइनेंस मिनिस्टर तिवारी जी, एम.एक.ए नवाब जुल्फुकार अली , स्व ०डा०मु०इकराम, अ०गफूर इंजी०के प्रयासों के चलते 12 फरवरी सन 1975 को यूनानी राजकीय अस्पताल की स्थापना की गई थी अ० गफूर इंजी०के मकान में ही 50 स्व महावार के हिसाब से 25 वर्षों तक के लिए सेवारत रहा राजकीय यूनानी अस्पताल को वहां से अलग कर नगर पालिका जल कल केम्पस में स्थापित कर दिया गया काफी समय के बाद अस्पताल को सरकारी भवन न मिलने के कारण पास के ग्राम पीपली नायक में स्थापित कर दिया गया जो आज वहीं पर तैनात कर्मी भी अपनी डयूटी को अन्जाम देते चले आ रहे हैं। जो आज भी टांडा के नाम से ही अस्पताल को जाना जाता है कमजोर एवं निर्धन वर्ग के लोगों को अस्पताल से बीमारी से सम्बंधित जो सुविधायें उपलब्ध हो पा रही थी वह आज उनको उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं नगर सहित आस पास के ग्राम वासी इसका काफी लाभ टांडा नगर के अन्दर अस्पताल रहकर उठाते चले आ रहे थे आज के समय में गम्भीरता के साथ देखा जाय कमजोर एवं निर्धन वर्ग के मरीजों को इधर उधर भटकना पड़ रहा है यूनानी दवाइयों से सम्बंधित मात्र मरीजों के लिए एक यही अस्पताल था नगरीय एवं क्षेत्रीय लोगों की परेशानियों को देखते हुए अस्पताल की तैनाती टांडा नगर के अन्दर की मांग की गई है जिसके चलते कमजोर एवं असहाय लोग अपनी बीमारियों का इलाज कर फायदा उठा सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किडनी को रखना है स्वस्थ तो करें इन जड़ी-बूटियों का सेवन

भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान के कारण किडनी से संबधित समस्याएं बढ़ती जा रही है। किडनी शरीर का खास हिस्सा है जो शरीर से विषैले पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करती है और शरीर को रोगों से बचाती है। इसलिए स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं आपकी किडनी सही तरीके से काम करें तो दिन में अधिक से अधिक पानी पीएं और कुछ जड़ी बूटियों की भी मदद ले सकते हैं। इन जड़ी बूटियों से किडनी स्टोन, किडनी कैंसर और किडनी से संबंधित अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।
आज हम आपको ऐसी जड़ी बूटियों को बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

1. अजमोद हर्ब
इसमें लूटेओलिन एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो शरीर से विषैले पदार्थ फ्री रेडिकल्स को बाहर निकाल कर किड़नी को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अजमोद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

2. धतूरे की जड़
किडनी को मजबूत करने में धतूरे की जड़ काफी मददगार है। यह रक्त शुद्धिकरण करने में भी मदद करती है। इसके सेवन से शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले एसिड और विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। यह पिट्यूटरी ग्रंथि से प्रोटीन को बाहर निकाल कर हार्मोन में संतुलन बनाएं रखता है।

3. अमरबेल हर्ब
अमरबेल पौधे के पीले फूल रक्त की शुद्धिकरण में मदद करते हैं। यह किडनी के अलावा लीवर को भी स्वस्थ रखता है।

4. करौंदा जड़ी बूटी
यह बहुत फायदे की जड़ी बूटी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट किडनी से यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है। इसमें यूरिया निकालने की क्षमता होती है।

5. सिंहपर्णी की जड़
यह लीवर और किडनी से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर उनकी कार्य करने की क्षमता को बढ़ाती है। यह भी रक्त शुद्धिकरण में मदद करता है।

6. मंजिष्ठा हर्ब
इसे आयुर्वेद में बहुत अच्छा माना गया है। यह किडनी के अलावा रक्त से भी विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर शुद्ध करता है।

7. गोल्डनरॉड (Goldenrod)
गोल्डनरॉड के सेवन से किडनी में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलते है और यह किडनी को मजबूत रखने में मदद करता है।

8. गुडूची(Guduchi)
किडनी को स्वस्थ रखने में यह बहुत कारगार उपाय है। गुडूची रक्त में होने वाले विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है इसलिए इसका सेवन धूम्रपान और शराब पीने वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पार्लर से नहीं, घर पर इन 5 आसान स्टेप से करें बॉडी पॉलिशिंग

खूबसूरती के लिए लड़कियां कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेती है, जिसमें से एक है बॉडी पॉलिशिंग। बॉडी पॉलिशिंग आपके पूरे शरीर की खूबसूरती बढ़ाने का सबसे लाजवाब तरीका है। इससे बॉडी पर न सिर्फ ग्लो आता है बल्कि इससे पूरे शरीर की स्किन सॉफ्ट और स्मूद भी हो जाती है। लड़कियां पार्लर में जाकर बॉडी पॉलिशिंग पर पैसे खर्चती हैं लेकिन आप घर पर भी आसान स्टेप से बॉडी पॉलिशिंग कर सकते हैं। इससे आपके पैसे भी बच जाएंगे और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

क्या होती है बॉडी पॉलिशिंग
बॉडी पॉलिशिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है, जिससे पूरे शरीर को एक्सफोलिएट और मॉइश्चराइज्ड किया जाता है। इससे आपको सन डैमेज और डिहाईड्रेट स्किन से राहत मिलती है। इसके अलावा नियमित रूप से हर महीने 1 बार बॉडी पॉलिशिंग करने से डेड सेल्स निकल जाते हैं और शरीर में नए सेल्स बनते हैं। इसे कराने से शरीर में ऑक्सीजन स्पलाई भी अच्छी तरह होती है।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए जरूर सामान
स्क्रब
प्यूमिस स्टोन
जैतून का तेल

इस तरह करें बॉडी पॉलिशिंग
स्टेप-1
बॉडी पॉलिशिंग करने के लिए सबसे पहले एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोएं और इससे पूरे शरीर को साफ करें। आप चाहें तो शरीर को साफ करने के लिए गुनगुने पानी से शॉवर भी ले सकती हैं।

स्टेप-2
शरीर को साफ करने के बाद जैतून के तेल को गुनगुना कर लें। इसके बाद इससे चेहरे और शरीर पर मसाज करके 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद शरीर को साफ कर लें।

स्टेप-3
तेल साफ करने के बाद पूरे शरीर पर स्क्रब लगाएं। इसके लिए आप घर में चीनी और शहद को मिलाकर भी स्क्रब बना सकती हैं। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मार्केट में मिलने वाले स्क्रब का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

स्टेप-4
इसके बाद प्यूमिस स्टोन की मदद से कोहनी, घुटने, एड़ियों और शरीर के सख्त हिस्से को साफ करें। शरीर के बाकी हिस्सों को चेहरे को हाथ से रगड़ कर साफ कर लें।

स्टेप-5
5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से शॉवर ले लें। शॉवर लेने के बाद मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं। बॉडी पॉलिशिंग करने के करीब 2-3 दिन तक नहाते समय साबुन का इस्तेमाल न करें।

एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स दबाएं और हर बीमारी का समाधान पाएं

पैरों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स : शरीर में कई ऐसे प्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जिनका कनेक्शन शरीर के दूसरे भागों से होता है। हाथों-पैरों के इन प्वाइंट्स को दबाकर रोगों का इलाज किया जा सकता है। पैरों के इन प्वाइंट्स को रोज 10 या 15 मिनट तक दबाकर कई बीमारियों से राहत पाई जा सकती है। पैरों के इन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को अच्छी तरह और सही तरीके से दबाकर आप मांसपेशियों की ऐंठन या जकड़न, ब्लोटिंग, अपच, भूख से संबंधित समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि पैरों के नीचे मौजूद किन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को दबाकर आप बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं।

बच्चों में शुरू से डालें ये 5 आदतें, कभी नहीं होगी दिल की बीमारी

दुनियाभर में दिल के रोगों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हर साल करोड़ों लोग हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बचपन से ही खान-पान की गलत आदत और कम शारीरिक मेहनत है। इसी कारण बच्चों में भी हार्ट के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगर दिल को स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है स्वस्थ और पौष्टिक आहार खाना। बच्चों में बचपन से ही कुछ आदतें डाली जाएं, तो उनमें दिल की बीमारियों की आशंका कम होती है और वो एक स्वस्थ और लंबा जीवन जी सतके हैं।

पढ़ाई के साथ खेल और एक्सरसाइज
आजकल माता-पिता बच्चों को हर समय पढ़ने की नसीहत देते हैं। मनोवैज्ञानिक आधार पर देखें तो बच्चे एक दिन में 8-10 घंटे से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इसमें स्कूल में पढ़ाई का समय भी शामिल है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की फिजिकल फिटनेस भी जरूरी है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें और रोज कम से कम आधा घंटा एक्सरसाइज करवाएं। बच्चों को एक्सरसाइज करवाने के लिए आप भी एक्सरसाइज करें। इससे आप भी फिट रहेंगे। रोजाना आधा घंटा एक्सरसाइज करके आप दिल की बीमारियों की आशंका को 60 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट की आदत डालें
कोलेस्ट्रॉल, नमक और चीनी इसलिए खाने में इन तीनों का संतुलन जरूरी है।

वजन न बढ़ने दें
बच्चों में आजकल मोटापे की समस्या बहुत ज्यादा हो रही है। मोटापे की वजह से कई तरह के गंभीर रोगों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को मोटापे से दूर रखें। अगर बच्चे रेगुलर एक्सरसाइज करेंगे और हेल्दी डाइट लेंगे, तो उनका वजन कंट्रोल रहेगा और बॉडी फिट रहेगी। इससे उनका विकास यानि शरीर की लंबाई, चौड़ाई और मजबूती भी अच्छी रहेगी। वजन कंट्रोल करने में नियम का पालन बहुत जरूरी है। पूरे परिवार के खाने का समय और सोने का समय तय कर दीजिए। अनियमित जीवन के कारण कई बार हेल्दी चीजें खाने के बावजूद आप बीमार पड़ सकते हैं।

भी आप स्मार्टली हेल्दी तरीके से बना सकती हैं। फल और सब्जियां खूब खिलाएं। रोजाना सुबह चार बादाम और एक ग्लास दूध आपके लाडले को दिन भर एनर्जी और पोषण भी देंगे और इससे बच्चों की मेमोरी पावर भी अच्छी हो जाएगी। दिल के लिए सबसे घातक होता है

ब्लड प्रेशर पर नजर रखें
ब्लड प्रेशर का सही होना बहुत महत्वपूर्ण है। दिल की बीमारियों की मुख्य वजह भी ब्लड प्रेशर ही होता है। ब्लड प्रेशर पर नजर रखने के लिए इसे रेगुलर बेसिस पर चेक करते रहना जरूरी है। ब्लड प्रेशर बताता है कि आपके दिल को आपके शरीर के लिए ब्लड पंप करने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'तेरी आंखों से' म्यूजिक एल्बम सोशल मीडिया पर मचा रहा है धमाल

अभिनेत्री व जानी मानी फैशन मॉडल रब्बी तरन्नुम की अभिनय का जमकर हो रही है तारीफ

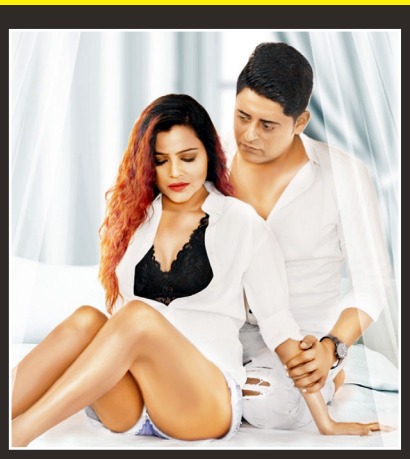

मुंबई। B4U Music से हाल ही में रिलीज हुई म्यूजिक एल्बम 'तेरी आँखों से' ने धमाल मचा दिया है। कुछ दिनों में ये लाखों लोगों के दिलों को छू लिया है। गायक अनुराग मौर्या द्वारा इस गीत को संजोया गया है और संगीतकार उर्मिला वरु की पेशकश में एक मनमोहक संगीत इन दिनों लोगो को आकर्षित कर रही है। नील सिवाल और रब्बी तरन्नुम की केमिस्ट्री परदे पे खूब जच रही है। बता दे कि रब्बी तरन्नुम कोलकाता की जानी मानी फैशन मॉडल है। अभिनेत्री व मॉडल रब्बी तरन्नुम मॉडलिंग व फिल्ड इंडस्ट्री पर आज राज कर रही हैं और अपनी कड़ी मेहनत व लगन के कारण देश व दुनिया में अपना नाम कमाया है। रब्बी तरन्नुम ने कहा कि आज मैं जो भी कुछ हूं अपने परिवार व माता पिता के आर्शिवाद से यहां तक पहुंच पाई हूं। रब्बी तरन्नुम को मॉडलिंग व फिल्ड इंडस्ट्री में आज काम की कोई कमी नहीं है। मुंबई में फिल्म प्रोड्यूसर रब्बी तरन्नुम को अपनी फिल्म में साईन करने के लिए एक के बाद एक प्रोड्यूसर संपर्क कर रहे हैं। रब्बी तरन्नुम अभिनेता नील सिवाल के साथ जल्द ही एक बहुत बड़े बजट की वेब सिरीज में नजर आने वाली हैं। रब्बी तरन्नुम को 2019 मार्जिन मॉडल अवार्ड व 2020 वुमन अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया है। मॉडल व अभिनेत्री रब्बी तरन्नुम की अगर फैन फॉलोइंग की बात करें तो युवाओं में इनकी फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है। रब्बी तरन्नुम बहुत ही कम समय में अपनी कडी मेहनत व दमदार अभिनय की वजह आज किसी पहचान की मोहताज नही हैं। हाल ही में रब्बी तरन्नुम की रिलीज हुई लाखों लोगो को छू लेने वाली 'तेरी आँखों से' ये एल्बम अब अपने दूसरे कदम के लिए तैयार है और उम्मीद है जिस रफ़्तार से ये लोगो का प्यार बटोर रही है जल्द ही ये करोड़ो लोगो तक पहुंच जाएगी और 'मिलियंस' वाले एल्बम में खुद को शामिल कर लेगी।

रब्बी तरन्नुम को 2019 मार्जिन मॉडल अवार्ड व 2020 वुमन अचीवमेंट अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है

इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट से इतने करोड़ रुपए कमाती हैं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। प्रियंका की हर पोस्ट खूब वायरल होती है। अपनी पोस्ट से एक्ट्रेस जमकर कमाई भी करती हैं। हाल में इंस्टाग्राम की रिचलिस्ट 2021 सामने आई है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा ने जगह बनाई है। इंस्टाग्राम रिचलिस्ट 2021 में केवल 2 भारतीय ही जगह बना सके हैं। जिनमें एक एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और दूसरे भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली हैं। Hopperhq.com की इंस्टाग्राम रिचलिस्ट 2021 के टॉप 30 के हिसाब से प्रियंका हर पोस्ट से लगभग 3 करोड़ रुपए कमाती हैं। टॉप 30 में प्रियंका ने 27वें नंबर पर हैं। लंबे समय से प्रियंका चोपड़ा इंस्टाग्राम पर कई प्रोडक्ट्स को प्रमोट कर रही हैं। प्रियंका के इंस्टाग्राम पर 65 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वहीं विराट कोहली ने हर पोस्ट से लगभग 5 करोड़ रुपए कमाए हैं। वह इस लिस्ट में 19वें नंबर पर है। यह लगातार तीसरा साल है जब प्रियंका और विराट ने इस लिस्ट में शामिल है। इससे पहले 2019 और 2020 में भी इन दोनों सेलेब्स ने लिस्ट में टॉप 100 में जगह बनाई थी।